February-2022 E-ISSN – 2348-7143

International Research Fellows Association's

RESEARCH JOURNEY

International E-Research Journal

Peer Reviewed, Referred & Indexed Journal

Issue 287

Multidisciplinary Issue

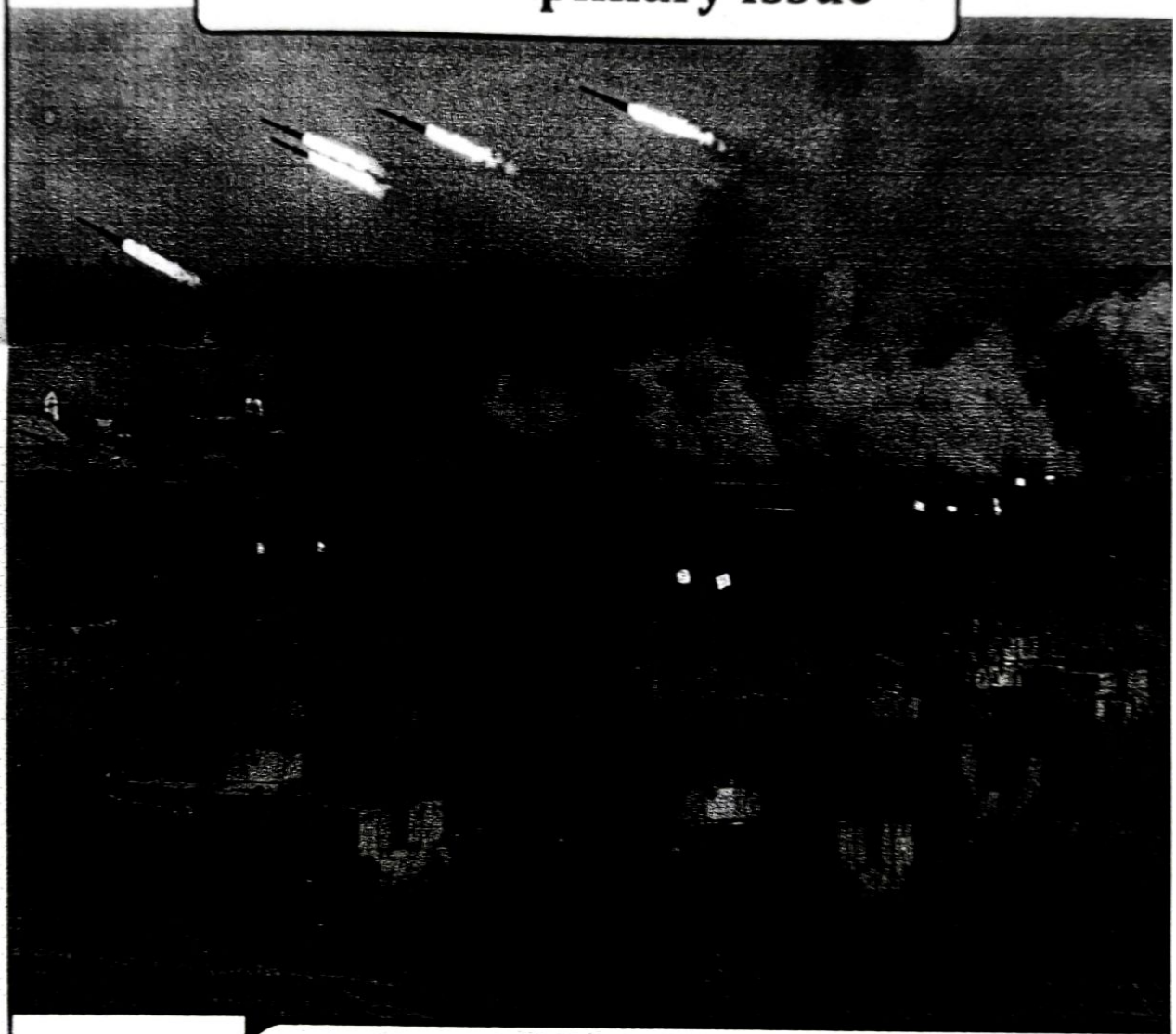

Chief Editor -
Dr. Dhanraj T. Dhangar,
Assist. Prof. (Marathi)
MGV's Arts & Commerce College,
Yeola, Dist – Nashik [M.S.] INDIA

Executive Editors :
Dr. Tejesh Beldar, Nashikroad (English)
Dr. Gajanan Wankhede, Kinwat (Hindi)
Mrs. Bharati Sonawane, Bhusawal (Marathi)
Dr. Rajay Pawar, Goa (Konkani)

For Details Visit To : www.researchjourney.net

SWATIDHAN PUBLICATIONS

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

26	हिंदी के प्रचार-प्रसार में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भूमिका (रेडिओ तथा दूरदर्शन के संदर्भमें)	डॉ.रमेशकुमार गवळी	130
27	सोशल मीडिया : बदलता भारतीय परिवेश	डॉ. संगिता चित्रकोटी	135
28	विद्यार्थीयों के जीवन में मराठी भाषा विषयक रुचि निर्माण करने में ग्रंथालयों की भूमिका	डॉ. वंदना जामकर	141
	मराठी विभाग		
29	भारतीय आदिवासींच्या दैवत कथा	डॉ. अंजली मस्करेन्हस	145
30	संत ज्ञानेश्वरांचा मानवतावाद	डॉ. मीनाक्षी पाटील	151
31	संत एकनाथांच्या भारूडातील फिरस्ते, भटके, उपेक्षित व बहुजनांचे चित्रण	डॉ. मधुकर बैकरे	155
32	प्राचीन चीन संस्कृतीमधील समाज जीवन	प्रा. एस. एस. मारकवाड	161
33	तडवी बोलीचे सामाजिकीकरण	रमजान तडवी, डॉ. उज्वला भोर	165
34	जोतीराव फुले : स्त्रीमुक्तीचे प्रेरक आंदोलन	डॉ. अनमोल शेंडे	169
35	'हिंदू: जगण्याची समृध्द अडगळ' कादंबरीतील स्त्री विषयक चित्रण	प्रा.गौतम भालेराव	174
36	मराठी विज्ञानकथेतील स्त्री- पात्रचित्रण	डॉ. विलास धनवे	178
37	आंबेडकरवाद:समकालीन संदर्भ	डॉ. सुरेश वर्धे	181
38	नामदेव ढसाळांच्या कवितेतील आशय आणि विद्रोह	डॉ. धनराज माने	185
39	साहित्यिक डॉ. लीला गोविलकर यांच्या कविता लेखनातील प्रतिमा व प्रेरणा	शिवाजी शिंदे	189
40	अस्तित्व शोधाचा प्रवास - 'सरोवर'	प्रा. विद्या सुर्वे-बोरसे	197
41	'समाज समता संघ आणि कौटुंबिक सहभोजने' - समाज परिवर्तनाचा उपक्रम	डॉ. किशोर काजळे	199
42	पुणे शहरातील निवडक ऐतिहासिक स्थळांची ऐतिहासिक चिकित्सा	डॉ. नामदेव रासकर	206
43	स्वातंत्र्यपूर्व काळातील मालेगाव येथील कापड उद्योग निर्मितीचा ऐतिहासिक आढावा	डॉ. संजय शेलार, सुभाष आहिरे	211
44	महाराष्ट्रातील शेतकरी आंदोलनात दबाव गटांची भूमिका : विशेष संदर्भ 'नाशिक ते मुंबई किसान लाँग मार्च'	रविराज वटणे	216
45	राजकीय नेतृत्व – महिलांचा सहभाग	डॉ. सुनिल चकवे	221
46	महाराष्ट्रातील पर्यावरणवादी चळवळ : बळीराजा धरण	डॉ. राहुल गोंगे	224
47	भारतीय अर्थव्यवस्थेतील रचनात्मक बदल आणि सर्वांगीण विकासाच्या दृष्टीने बदलाबाबतच्या अपेक्षा	डॉ. नीता वाणी	230
48	भारतीय अर्थव्यवस्थेपुढील समस्या - दारिद्र्य	प्रा. दशरथ पानमंद	236
49	केंद्रवर्ती अर्थसंकल्प (न्युक्लिअस बजेट) योजना	प्रा. कृष्णा पाडवी	239
50	१९६५ च्या भारत-पाकीस्तान युध्दात मालेगाव तालुका राष्ट्रीय संरक्षण नागरिक समितीचे आर्थिक योगदान	डॉ. संजय शेलार, सुभाष आहिरे	244
51	धुळे शहरातील इयत्ता ९ वी च्या विद्यार्थ्यांच्या अभ्यास सवयी व शैक्षणिक संपादणूक यांचा अभ्यास	डॉ. मीनाक्षी महाले	249
52	अध्ययन-अध्यापन आणि माध्यमाची भाषा	डॉ. राजेश्वर दुडूकनाळे	254
53	सातारा जिल्ह्यातील महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांचे मोबाईलद्वारे इंटरनेट वापराचे मूल्यमापन	डॉ. ए. बी. मुळीक, डॉ. एन. ए. पाटील	261
54	नाशिक जिल्ह्यातील राज्य व राष्ट्रीय स्तरीय स्पर्धेमध्ये खेळलेल्या कयाकिंग खेळाडूंच्या मानसिक ताणाचा तुलनात्मक अभ्यास	प्रा. सुहास वराडे	268

सोशल मीडिया : बदलता भारतीय परिवेश

डॉ. संगिता सूर्यकांत चित्रकोटी
सहयोगी प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी
कोएसो लक्ष्मी शालिनी महिला महाविद्यालय, पेझारी, अलिबाग
संपर्क नं- 9421905599
ईमेल - sangitachitrakoti@gmail.com

21वी शताब्दी इंटरनेट और वेब मीडिया की शताब्दी है। इस शताब्दी में संप्रेषण के ऐसे नए तरीके और माध्यम सामने आए है जो पूरी तरह हमारे जीवन का हिस्सा बन गए है। इनमें से ही एक है सोशल मीडिया जिसे हमने जीवन के अटूट हिस्से के रूप में अपनाया है। सोशल मीडिया एक अपरंपरागत मीडिया है (Non Traditional) जिसे 'सोशल मीडिया सर्विस' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'सामाजिक संप्रेषण' (Social Communication) संप्रेषण का एक अच्छा माध्यम जो द्रुतगति से सूचनाओं का आदान प्रदान करता है। मात्र यह संप्रेषण ऑनलाईन होता है। आज दुनिया भर में एक दूसरे से जुड़ने का सबसे अच्छा माध्यम सोशल मीडिया है। केवल युवा ही नहीं बुढे, बच्चे भी सोशल नेटवर्क के दीवाने है। वह हमारे जीवन के अनेक पहलूओं को तय कर रहा है। हमारा खान-पान, रहन-सहन, कामकाज मौजमस्ती इतना ही हमारे भावनाओं को भी सोशल मीडिया प्रभावित कर रहा है। आज की दुनिया की यह सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। सोशल मीडिया को परिभाषित करते हुए आंद्रे कैप्लान' और 'माइकल हैनलीन' कहते है "सोशल मीडिया इंटरनेट आधारित उपयोगों का एक ऐसा समूह है जो विचारधाराओं और तकनीकों को सामग्री के सृजन और इसके आदान-प्रदान की सहुलियत प्रदान करता है।"[1]

इंटरनेट में प्रोद्योगिकी के समावेश से सोशल मीडिया का जन्म हुआ। इंटरनेट आधारित सोशल नेटवर्किंग की परंपरा 2002 में 'फ्रेंडस्टर' से हुई थी कुछ समय बाद माई स्पेस, लिंक्डन जैसे साईट सामने आई। 2004 में फेसबुक का आगमन हुआ उसके बाद ट्वीटर और अन्य एप ने धूम मचा दी।

"सोशल मीडिया सर्विस' प्रमुखतः बेसड सर्विस होती जो लोगों को एक पब्लिक अथवा सेमी-पब्लिक प्रोफाइल बनाने में स्वीकृति देते है। एक सीमित सिस्टम के अंदर यह सुविधा प्राप्त होती है। इसके अंतर्गत जो चीजें हम आवाज के व्दारा बता नहीं सकते उन्हें इसके मदद से दूसरों तक संदेश पहूँचा सकते है। अर्थात सोशल मीडिया व्दारा अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ जहाँ आप एक दूसरे के साथ मित्रता, रिश्तेदारी, शैक्षिक और अपनी मनपसंद बातों का आदान-प्रदान करते है। एक-दूसरे के रुचियों को जान सकते है।आज की आपाधापी के युग में नौकरी के लिए रिश्तेदार, दोस्त दूर रहते है इसलिए उनके साथ रिश्ता बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

वैसे सोशल मीडिया को दो वर्गों में बाट दिया जाता है --

1] इंटरनल सोशल मीडिया [Internal Social Media] ISN

2] एक्सटर्नल सोशल मीडिया [External Social Media] ESN

1) इंटरनल सोशल मीडिया :- (अभ्यंतर सोशल मीडिया)

यह मुख्य रूप से घनिष्ठ और निजी समुदाय (Closed or Private Community) होता है। यहाँ छोटे मात्रा में लोग जुड़े रहते है। इस नेटवर्क में जुड़ने के लिए आमंत्रित किया जाता है और आमंत्रण की स्वीकृति मिलने पर ही आप इनसे जुड़ सकते है उदा. शैक्षिक ग्रुप, आदि। फोटोग्राफी ग्रुप आदि

2) एक्सटर्नल सोशल मीडिया (बाह्य सोशल मीडिया) :

यह मुख्य रूप से खुला और सार्वजनिक समुदाय [Open or public community] होता जहाँ बड़ी संख्या में लोग जुड़े रहते है। इस नेटवर्क में कोई भी जुड़ सकता है जो कि जुड़ना चाहता है। यहाँ जादा ट्राफिक होने के कारण विज्ञापक (Advertiser) अधिक आकर्षित होते है। इस पर युजर्स अपना पिक्चर अँड कर सकते है और फ्रेन्डस भी बना सकते है।

उदा. फेसबुक, ट्वीटर, व्हाटसएप, टिकटॉक, इन्स्टाग्राम इत्यादि। यह वर्गीकरण मोटे तौर पर किया है। इसके बहुत सारे फीचर है– जैसे सूचनाएँ आदान-प्रदान करना, मनोरंजन, शिक्षा देना, व्यापार करना, गेम खेलना इत्यादि इसलिए सोशल मीडिया को और सूक्ष्म रीति से वर्गीकृत करने का प्रयास नियमानुसार किया है.

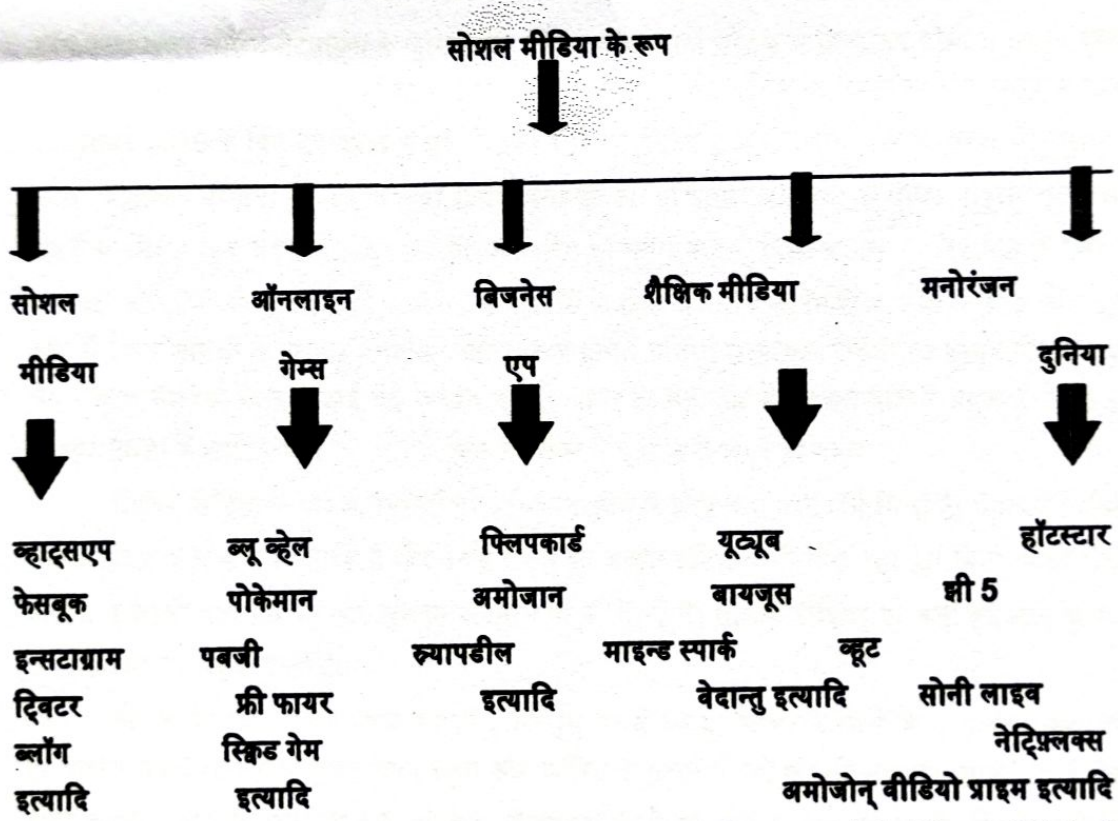

उपर्युक्त रूपों में से व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, ये साइटस अधिक बूम करते है। जैसे एक सिक्के के दो पहलू होते वैसे ही सोशल मीडिया के भी दो पहलू है एक उसका सकारात्मक पक्ष है और दूसरा नकारात्मक।

यदि आप सोशल नेटवर्किंग साइटस का सुरक्षित तरीके से प्रयोग करेंगे तो ये साइट्स सुरक्षित है और बहुत लाभकारी भी। आइए देखते है इसके सकारात्मक पक्ष को।

सकारात्मक पक्ष

सोशल मीडिया सकारात्मक भूमिका अदा करता है। सोशल मीडिया के द्वारा किसी भी व्यक्ति, संस्था, समुदाय, या देश को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। इसके जरिए अनेक विकासात्मक कार्य हुए है। तथा लोकतंत्र समृध्द हुआ है। देश की एकता, अखंडता, धर्मनिरपेक्षता, तथा अनेक सामाजिक गुणों की अभिवृद्धि हुई है।

लोकप्रियता के प्रसार में सोशल मीडिया एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को या अपने किसी प्रोडक्ट को लोकप्रिय बना सकता है। आज फिल्मों के ट्रेलर, टेलीविजन प्रोग्राम का प्रसारण भी सोशल मीडिया व्दारा सुगमता से हो रहा है। इसमें फेसबुक व्हाटसएप अग्रेसर है।

2019 के आम चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों ने जमकर सोशल मीडिया का उपयोग किया। आम जनता में चुनाव को लेकर जागरुकता पैदा की। वोटिंग का प्रतिशत भी बढ़ा।

India against corruption भ्रष्टाचार के खिलाफ यह आंदोलन अन्ना हजारे ने छेडा सड़कों के साथ साथ यह आंदोलन सोशल मीडिया पर भी लढा गया जिसके कारण विशाल जनसमुदाय अन्ना हजारे के साथ जुड़ा और आंदोलन प्रभावशाली बन गया।

16 डिसेंबर 2012 के रात निर्भया के साथ जो हैवानियत बरती गई जिससे हर देशवासी का कलेजा कॉप उठा। खबर सोशल नेटवर्किंग के जरिए आग की तरह फैल गई। सोशल मीडिया पर लोगों ने अपना गुस्सा प्रकट किया। उसे न्याय दिलाने के लिए जनता सड़क पर उतर आयी। परिणाम स्वरूप सरकार दबाव में आई। 27 नवंबर 2019 के दिन हैदराबाद में डॉ. प्रियंका रेड्डी पर गैंगरेप हुआ और फिर उसकी हत्या की गई। इस घटना ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया। आंध्र सरकार ने इसपर गंभीरता से सोचा महिला अत्याचार रोकने के लिए । आंध्र प्रदेश में दिशा अधिनियम पारित हो गया। क्या है दिशा कानून ? - 21 दिन में मिलेगी अपराधी को फॉसी की सजा। वर्तमान में रेप के दोषियों के लिए भारतीय कानून में मृत्युदंड नहीं है। परंतु अब आंध्र में रेप के मामलों में मृत्युदंड देनेवाला पहला राज्य होगा। महिला अत्याचार रोकनेवाले कानून को लाने का श्रेय सोशल मीडिया व्दारा उठाई गई आवाज को ही जाता है। महाराष्ट्र में भी इस दृष्टि से पहल हो चुकी है। दिसंबर 2021 में शक्ति कानून विधानमण्डल में एकमत से मंजूर हो गया।

सोशल मीडिया के रूप में यंगस्टर्स को अभिव्यक्त होने के लिए नया प्लटफॉर्म मिला है। यंगस्टर्स विविध विषयों पर मुक्त भाव से लिख रहे है और उनके लेखन को अच्छा प्रतिसाद भी मिल रहा है।। बिना किसी रोक-टोक से वे अपनी बात रख रहे और खुलकर अपनी राय भी दे रहे है। सोशल मीडिया पर कही हुई बात दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच जाती है।

सोशल मीडिया का एक लाभ यह भी है कि हम घर में बैठे दुनियाभर के लोगों के साथ संबंध बना रहे है। अंतरंग संवाद हो रहे है। युजर अपने स्कूल और कॉलेज के पुराने दोस्तों को भी अचानक खोज रहा है। जो दोस्त आपके साथ खेले, एकसाथ पले, बड़े हुए, मौजमस्ती की वे बड़े होने के बाद दुनिया की भीड में कहीं खो गए थे। ऐसे खोए हुए दोस्त मिल रहे है। व्हाटसएप के व्दारा रोज बाते कर है ओर उनके गेट टूगेदर भी हो रहे है। मानो गुमशुदा बचपन लौट आया हो।

नकारात्मक पक्ष

सोशल मीडिया का सकारात्मक पक्ष बड़ा शक्तिशाली है परंतु लोग उस शक्ति का गलत प्रयोग कर रहे है। समाज विघातक लोग सोशल मीडिया के व्दारा घातक, नकारात्मक जानकारी साझा करते है या जानकारी तोड़ मरोड़कर पेश करते है। ऐसे लोग समाज में दुर्भावनाएँ फैलाकर लोगों में दंगे भड़का देते है। कभी कभी जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े इसलिए सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ता है। उदा. जम्मू कश्मिर में अगस्त 2019 में धारा 370 को हटाया गया। उस समय कश्मीर में संचार माध्यमों को और इंटरनेट को भी बंद कर दिया था ताकि गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रतिबंध आ सके। हिंसा की आशंका से इंटरनेट सेवा बंद करने का यह फैसला सरकार को लेना पड़ा।। जनवरी 2018 में भीमा कोरेगाव में दंगा भड़का इसका प्रमुख कारण सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैली गई अफ़वाएं है। जिससे समाज में विभाजन हुआ। इसी पार्श्वभूमीपर पीछले साल भीमा-कोरेगाव क्षेत्र में कोई अनुचित घटना घटित ना हो इसके लिए सोशल मीडियापर नजर रखी गई थी। भावनाओं को भडकानेवाले मेसेज फॉरवर्ड ना हो इसलिए पुलिस व्दारा 250 व्हाट्सएप ग्रुप को नोटीस भेजी गयी थी। फेसबुक पर से भी 12 पेजस को डिलिट कर दिया गया था तथा इंटरनेट सेवा को भी बंद कर दिया था। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में हुए किसान आंदोलन में भी सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया ताकि असामाजिक तत्व किसान आंदोलन की आड़ में किसी बड़ी घटना को अंजाम न दे सके।

यंगस्टर एक ताकत है। परंतु क्या यह ताकत देश की एकता अखंडता या देशसेवा के लिए काम आ रही है? जिनके हाथों में कल की देश की बागडौर जानेवाली है, क्या वे जिम्मेदार नागरिक है? आज का यंगस्टर केवल 'डिजिटल अक्टिव्ह है। प्रत्येक यंगस्टर के हाथ में अँड्रोइड, 'आय ओ एस' युजर प्रणाली से युक्त मोबाइल है। उसके मन में मोबाइल के प्रति प्रचंड आकर्षण है। टीन एजर बच्चे सुबह से रात तक स्मार्ट फोन से जुड़े रहते हैं। खाते समय, सोते समय भी मोबाइल पास चाहिए। यंगस्टर और बच्चे ऑडिक्ट [Addict] हो गए है। खाना नहीं मिला तो भी चलेगा परंतु इंटरनेट चाहिए। यदि अभिभावकों व्दारा मोबाइल बंद किया जाए तो बच्चे जिद करने लगते है, चिडचिडे होते है, रुठते है। खाना-पिना त्याग देते है। बच्चों का मैदान पर खेलना बंद हो गया है। उनके प्रकृति पर बुरा असर हो गया है। बच्चे और यंगस्टर का 'स्क्रीन ऑन टाईम' दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। फेसबुक, व्हाटसएप, टिकटाक, [अभी बंद हो गया है] रील्स, पबजी आदि का नशा चढ गया है बच्चों पर। फेसबुक पर, व्हाटसएप पर प्रोफाइल फोटो बदलना, घंटों मित्रों के साथ चैटिंग करना, दिन में कई बार स्टेटस अपडेट करना इसमें ही सारा समय बरबाद करते है।उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। नया कुछ करने की रचनात्मकता, सृजनात्मकता भी खत्म हो रही है।

सोशल नेटवर्क के माध्यम से तमाम अश्लिल सामग्री और भडकाउ बाते भी संप्रेषित की जाती है जिससे मन-मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। टीन एजर बच्चे -पोर्न फिल्मे देखते है क्योंकि सोशल नेटवर्कींग साइटस पर आसानी से उपलब्ध हो रही है। पोर्न देखने से टीन एजर, यंगस्टर का विकृत नजरिया बन रहा है। समाज में रेप की बढोत्तरी का एक कारण पोर्न फिल्में भी है। रेप होना अत्यंत दुःखद और वेदनादायी है परंतु बताते हुए मुझे क्रोध आ रहा है कि रेप का वीडिओ देखनेवाले और एन्जाय करनेवाले भी विकृत मनोवृत्ति के लोग है। 8 जनवरी 2020 के दिन मानवता को कालिख पोतनेवाला प्रसंग घटित हुआ। 8 वर्षीय मतिमंद बच्ची का स्कूल

बस में बस ड्रायव्हर और उसके दो दोस्तों व्दारा विनयभंग हुआ। उसका वीडिओ शूट कर उसे अपने व्हाटसएप के स्टेटसपर रखा। वीडिओ व्हायरल होनेपर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई।

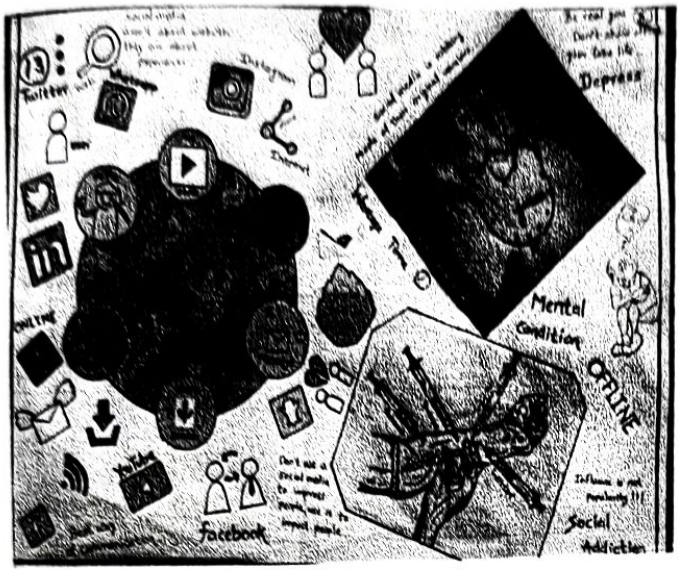

(शंभूराज धनावडे व सौरभ दोशी विद्याप्रतिष्ठान बारामती के छात्रों व्दारा बनाया गया चित्र जो सोशल मीडिया का एडिक्शन दर्शाता है।)

सोशल मीडिया वर्चुअल वर्ल्ड [Virtual World] है। वर्तमान में वर्चुअल वर्ल्ड अर्थात आभासी दुनिया का सम्मोहन देश के बच्चों को तेजी से अपने गिरफ्त में ले रहा है। लगभग सारा समाज नेटीजन (जालवासी) बन रहा है। पारंपारिक प्रेम, बंधुत्व, मानवता, सहानुभूति, मानवीय संवेदना के स्थान पर हमें आभासी दुनिया का सुख प्यारा लगने लगा है। माँ-बाप से संवाद भी केवल इंटरनेट की जरिए होता है। पारिवारिक संवाद के लिए दैहिक उपस्थिति अब आवश्यक नहीं रही। फेसबुक के व्दारा विवाह तय हो रहे है, फेसबुक के कारण तलाक भी हो रहे है। पिछले हफ्ते एक वीडिओ वॉटसअप पर मिला जिसमें मँगनी भी ऑनलाइन हो रही थी। अंत्यसंस्कार के लिए कुछ लोग वर्चुअली उपस्थित हो रहे है। लॉकडाउन में इस प्रकार के कई उदाहरण सामने आए है। इस प्रकार सोशल मीडिया सामाजिक मेल-मिलाप और संबंधों को घुन की तरह खाकर उन्हें खोखला बना रहा है। सामुहिक व मानवीय संवेदनाओं को खत्म करके उन्हें निहायत काल्पनिक, स्वकेंद्रित व रोमांचक, उत्तेजना देनेवाले पक्ष को अधिक प्रभावी बना रहा है।

समाज विघातक लोग फेक वीडिओज बनाकर व्हायरल करते है। सोशल मीडिया का एक दोष यह है कि हम सामान्य लोग सत्यता की जाँच नहीं कर सकते। लोग फेक वीडिओज़ पर विश्वास करते है और फिर आगे चलकर अनेक समस्याएँ खड़ी होती है।

साइबर अपराध सोशल मीडिया से जुडी सबसे बड़ी समस्या है। साइबर ठगों ने सोशल मीडिया को धोखाधड़ी का नया प्लैटफार्म बना लिया है। सोशल मीडिया के जरिए नौकरी, लॉटरी के नाम पर अनेक लोगों को ठग लिया है। पेटीएम, केवाईसी को साइबर ठगों ने धोखाधड़ी का नया हथियार बना लिया है। हँकर अक्सर लोन, गिफ्ट, लॉटरी, कार आदि जितने का प्रलोभन देकर सोशल साइट पर लिंक भेजते है उस लिंक को क्लिक करने पर जानकारी मांगी जाती है। अगर आपने जानकारी साझा की तो आप उनके व्दारा ठगे जाते है।

विध्वानों के अनुसार 60 से 65 तक अपराध फेसबुक के व्दारा 15 से 20 अपराध ट्वीटर और व्हॉटसएप से किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर प्रसिध्दी पाने के लिए यंगस्टर सोशल मीडिया के अलग-अलग माध्यमों का प्रयोग कर रहा है। सबसे अलग कुछ कर दिखाने के लिए यंगस्टर डेंजरस स्टंट शूट कर रहे है। डेंजरस शॉट शूट करते समय कई बार दुर्घटनाएँ घटित होती है। कभी हाथ में एअरगन लेकर रास्ते पर आतंक फैलाकर माईगिरी का स्वांग कर रहे है तो कभी कुछ घंटों में अनेक लाइक्स और कमेंटस् प्राप्त करने के लिए शौर्य और क्रोध के वीडियो बनाकर टिकटोकपर या मोज, जोश रील्स जैसे एप पर व्हायरल कर रहे है। 1 अगस्त 2019 के दिन बाईक पर स्टंट करते समय एक लडका मुँह के बल पर गिरा और मरते मरते बचा। 10 अगस्त 2019 में वीडीओ बनाने के लिए बुलढाणा के एक युवक ने बाढ़ आयी हुई नदी में छलांग लगाई। जान पर खेलकर वीडिओ बनाने का नशा उन्हे मौत के द्वार पर खड़ा करता है। टीकटॉक जैसे चाईनीज एप देश के लिए खतरा बन गये है अतः इसे बंद करने के लिए मा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों को सफलता मिली है।

स्कूली बच्चे ब्ल्यु व्हेल, पोकेमॅन, पबजी आदि ऑनलाइन गेम्स के आधीन हो गए है। ऑनलाइन गेम की लत ने बच्चों को नुकसान पहुँचाया है। अनेक ऐसी खबरे आयी है कि पबजी खेलते समय बच्चा अचानक चिखा और हार्टअटैक से उसकी मौत हो गई। माता-पिता ने पब्जी खेलने के लिए मना किया इसलिए बच्चे ने खुदखुशी की। ब्लू व्हेल और पबजी जैसे गेम मौत का सौदागर बन गए है। पबजी के खिलाफ भी गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी।

सोशल मीडिया से आपकी 'प्रायव्हसी' भी खत्म हो गई है। युजर्स की नीजि जानकारी संबंधित कंपनी के पास होती है। आप कहाँ हो? कहाँ जा रहे हो? सारी बाते उन्हें पता होती है। इसलिए सावधानता बरतनी चाहिए।

निष्कर्षता कहा जा सकता कि सोशल मीडिया आज स्टेट्स सिंबल का प्रतीक बन गया है। जिनकी अच्छाइयाँ भी है और बुराइया भी। यह आप पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का उपयोग आप समाजहित के लिए करना चाहेंगे या समाज विघातक कार्य के लिए।

सोशल मीडिया आपको सोशल भी बना सकता है और एकाकी भी। आप अपने पुराने दोस्तों के साथ तरोताजा हो सकते तो अनजान लोगों के साथ धोखा भी खा सकते है। मीडिया अडिक्ट होने से बचने के लिए सभी को सोशल मीडिया के प्रयोग कहाँ तक करना है उसकी सीमा तय कर लेनी चाहिए। माता-पिता अपनी रोज़मर्रा जिंदगी की भागदौड में से समय निकालकर बच्चों के साथ रहना अनिवार्य हो गया है। । माता-पिता उनके साथ सुसंवाद प्रस्थापित करे। क्योंकि बचपन का सही निवेश मानवीय संवेदनाओं को संभालकर रखता है। अतः बच्चों में जितना अधिक सामाजिक सांस्कृतिक निवेश किया जाएगा। बच्चों का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध होगा।

संदर्भ :

- https://.m.wikipedia.org.wiki
- https://livchindustan.com
- https://hindi.webdunia.so
- www.jansattta.com